96 की उम्र में भी पढ़ने की चाहत बरकरार

एनओयू में 96 वर्ष के राज कुमार वैश्य ने नामांकन लेकर पेश की मिसाल

अधिकारियों ने उनके आवास पर जाकर दी नामांकन रसीद, पंजीयन स्लिप, पहचान पत्र एवं परीक्षा प्रवेश पत्र

राज कुमार वैश्य के घर पर मंगलवार को प्रवेश पत्र देने पहुंचे एनओयू के अधिकारी.

लाइफ रिपोर्टर @ पटना

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय में मंगलवार का दिन इतिहास में स्वर्णिम दिवस के रूप में जाना जायेगा. संभवतः यह किसी कीर्तिमान से कम नहीं होगा कि किसी 96 वर्ष के व्यक्ति के द्वारा स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रम में नामांकन लिया गया है. राज कुमार वैश्य, जो 96 वर्ष की उम्र की पड़ाव पर खड़े हैं, उन्होंने मंगलवार को एमए अर्थशास्त्र में नामांकन लिया. यही वजह है कि विवि के अधिकारियों ने भी अपना उत्साह प्रदर्शित करते हुए उनके आवास पर जाकर उन्हें नामांकन रसीद, पंजीयन स्लिप, पहचान पत्र एवं परीक्षा प्रवेश पत्र आदि दिया. विवि के रजिस्ट्रार एसपी सिन्हा के अनुसार श्री वैश्य के द्वारा लिया गया नामांकन केवल शैक्षिक जगत में एक विस्मयकारी एवं चमत्कारी कदम माना जायेगा, बल्कि यह कदम नौजवानों तथा वैसे व्यक्तियों जो किसी कारण से शिक्षा से विमुख हो चुके हैं, के लिए प्रेरणादायी होगा. राज कुमार वैश्य जो मूलतः उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के निवासी हैं और जिनका जन्म 1 अप्रैल, 1920 में हुआ है ने मैट्रिक की परीक्षा वर्ष 1934 में गवर्नमेन्ट हाइ स्कूल, बरेली से द्वितीय श्रेणी से पास की थी. श्री वैश्य ने बैचलर ऑफ आर्ट्स की परीक्षा वर्ष 1938 में तथा बैचलर ऑफ लॉ की परीक्षा आगरा विश्वविद्यालय से पास की थी. श्री वैश्य के तीनों पुत्र जो भारत सरकार के बड़े पदों से सेवानिवृत्त हो चुके हैं ने भी इस प्रक्रम पर काफी खुशी जाहिर की है . नालंदा खुला विश्वविद्यालय के नामांकन में अधिक रुचि दिखाते हुये अपने पदाधिकारियों को यह निर्देश दिया की श्री वैश्य के घर जाकर नामांकन की प्रक्रिया पूरी की जाये. विवि के कुलसचिव, डा एस पी सिन्हा, संयुक्त कुलसचिव, ए एन पांडेय एवं नामांकन पदाधिकारी डा पल्लवी ने राज कुमार के राजेन्द्र नगर स्थित आवास पर जाकर नामांकन की पूरी प्रक्रिया को संपन्न किया.

प्रभात खबर
Wed, 09 September 2015
epaper.prabhatkhabar.com/c/6480755

Making history: NOU enrolls 96-yr-old

V K Tripathi
■ htpatna@hindustantimes.com

PATNA: Age is no bar for education.

Creating a new history in university education across the country, Nalanda Open University (NOU) on Tuesday admitted a 96-year-old student Raj Kumar Vaishya in MA economics.

Resident of Bareli in Uttar Pradesh, Vaishya, born in 1920, did his matric in 1934 followed by BA in 1938. He also passed LLB examination and served as a law consultant in a private organisation for long years. While in job, he never gave up the habit of reading and believed that learning was the only job from which anybody could not get retirement.

■ 96-yr-old Raj Kumar Vaishya.

And when he sought admission to the NOU this month, it came as a pleasant surprise to the university officials.

Showing exceptional regards to its seniormost student with the zeal of a youth to re-enter campus life, the NOU relaxed its rule and send a team of officers heads by registrar SP Sinha at the Rajendranagar residence of Vaishya, admitted him in the MA course and handed over the academic calendar, study material and even the admit card for his final examination.

Sinha said 84-year-old retired professor Ramchandra Mishra Madhup is already registered for Ph D in NOU but Vaishya, whose three sons have retired from government service, has now become a history-maker and an inspiration for all.

"We simply salute Vaishya's zeal," added registrar.